RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

मानसून जी आ गये, अजी बन गई बात।
बता रहे हैं सात तक, होनी है बरसात।
होनी है बरसात, काम पर इनके लीचड़।
ऊपर झमझम गिरे, मगर नीचे है कीचड़।
कह साहिल कविराय, खत्म हो गया जून जी।
राहत मिलने लगी, आ गया मानसून जी।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 160 | FRIDAY DATE 03-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

दिल्ली बनेगी ह्यसिविक-टेक कैपिटलह्व, मुख्यमंत्री रेखा ने शुरू किया ह्यदिल्ली नेक्स्टह्व कार्यक्रम

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई**

दिल्ली सरकार ने राजधानी को तकनीक और नवाचार के जरिए बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में ह्यदिल्ली नेक्स्ट-कोड, क्रिएट एंड चेंजह्व कार्यक्रम की शुरूआत की। इसे देश का सबसे बड़ा सिविक-टेक इनोवेशन प्रोग्राम बताया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं, स्टार्टअप्स, शोधकताओं और शिक्षण संस्थानों को एक मंच पर लाकर दिल्ली

की नागरिक समस्याओं के तकनीकी समाधान तैयार करना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज के समय में सरकार का काम केवल नीतियां बनाना नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और जनभागीदारी के जरिए समस्याओं का स्थायी समाधान तैयार करना भी है। उन्होंने कहा कि ह्यदिल्ली नेक्स्टह्व केवल एक हैकाथॉन नहीं, बल्कि शासन और इनोवेशन के बीच एक मजबूत सेतु है, जो युवाओं के आइडिया को सीधे सरकारी व्यवस्था से जोड़ेगा।

उन्होंने कहा कि देश के युवाओं में अपार प्रतिभा है और यदि उन्हें सही मंच तथा अवसर मिले तो वे प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। दिल्ली सरकार युवाओं को केवल प्रतियोगी नहीं, बल्कि सुशासन का साझेदार मानकर आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह केवल पुरस्कार तक सीमित नहीं रहेगा। पारंपरिक हैकाथॉन की तरह प्रतियोगिता खत्म होने के बाद इसका समापन नहीं होगा, बल्कि चयनित शीर्ष 60 टीमों के मॉडल संबंधित सरकारी विभागों के सहयोग से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किए जाएंगे। सफल रहने पर इन्हें चरणबद्ध तरीके से सरकारी व्यवस्था में शामिल किया जाएगा, ताकि नागरिकों को सीधा लाभ मिल सके।

कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों ने जलभराव, ट्रैफिक प्रबंधन, स्मार्ट पार्किंग, वायु प्रदूषण, कचरा प्रबंधन, इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम, डिजिटल गवर्नेंस, नागरिक शिकायत निवारण और शहरी बुनियादी ढांचे जैसी वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए।

मणिपुर में हिंसा रोकने के कदम उठाए मोदी सरकार : राहुल

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि राज्य वर्षों से हिंसा और नफरत की आग में जल रहा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली

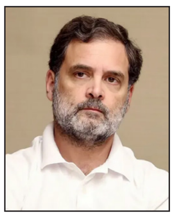

सरकार इस संकट के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। श्री गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि मणिपुर वर्षों से जल रहा है और एक बार फिर नफरत तथा हिंसा की आग में 20 घर जलकर राख हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दो सरकारों और राष्ट्रपति शासन के बावजूद राज्य में संघर्ष लगातार गहराता जा रहा है। हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और अनगिनत परिवार उजड़ चुके हैं। मणिपुर जिस असहनीय पीड़ा से गुजर रहा है उसकी कल्पना करना भी कठिन है। श्री गांधी ने आरोप लगाया कि इस स्थिति के लिए केंद्र सरकार की विभाजनकारी विचारधारा जिम्मेदार है और श्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार लोगों को धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र और पहचान के आधार पर बांटती है। उनका कहना था कि आज केवल मणिपुर ही नहीं, बल्कि पूरा देश श्री मोदी से संवेदना के दो शब्द की भी उम्मीद छोड़ चुका है, कार्रवाई की बात तो दूर है।

दिल्ली पुलिस ने जून में 193 लापता लोगों को परिवारों से मिलाया

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई । दिल्ली की दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने ह्यऑपरेशन मिलापह्व के तहत 1 जून से 30 जून के बीच 193 लापता लोगों को उनके परिवारों से मिलाया है। इनमें 48 बच्चे और 145 लापता वयस्क शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय स्तर पर पूछताछ के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की जांच और ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर लापता व अपहृत लोगों की तस्वीरें लगाने जैसे प्रयासों ने अहम भूमिका निभाई। लापता और अपहृत लोगों की आवाजाही का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और वेंडरों से भी पूछताछ की गई। तलाशी अभियान के दौरान स्थानीय मुखबिरों की भी मदद ली गई। इसके अलावा, आसपास के पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी बारीकी से जांच की गई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम जिले की टीमें जून महीने में 193 लापता लोगों और बच्चों का पता लगाने में सफल रहीं। इस दौरान किए गए ऑपरेशन की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि वसंत विहार पुलिस स्टेशन ने 10 लापता लोगों (चार पुरुष और छह महिलाएं) का पता लगाया और उन सभी को सफलतापूर्वक उनके परिवारों से मिलाया।

भारत-जापान ने बनाया आर्थिक सुरक्षा रोडमैप: मोदी

भारत-जापान के बीच रक्षा, एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी और बायोगैस में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और जापान के बीच आपसी विश्वास को रणनीतिक पूंजी करार देते हुए कहा है कि दोनों देशों के संबंध इसी विश्वास पर टिके हैं और इन्हें और मजबूत बनाने के लिए दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा के लिए एक संयुक्त रोड मैप तैयार किया है। श्री मोदी ने भारत की तीन दिन की यात्रा पर आई जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के साथ गुरुवार को यहां भारत जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के आज के माहौल में, आपसी विश्वास हमारी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ताकाइची और उनका विश्वास है कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में हमने एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया है। उन्होंने कहा कि जापान की सटीक प्रौद्योगिकी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई

विकास को नई गति और शक्ति देगा।

प्रधानमंत्री ने कहा की रक्षा के क्षेत्र में आज हमने भारत और जापान की पहली शहर विकास परियोजना पर हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होंने कहा कि साथ ही दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा के लिए संयुक्त रोड मैप तैयार किया है। उन्होंने कहा, ' इसके माध्यम से हम सेमीकंडक्टर क्वांटम और उन्नत सामग्रियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी हमने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

उन्होंने कहा, 'भारत जापान बायोगैस पहल के माध्यम से हम भारत में एक हजार बायोगैस और कार्बनिक फर्टिलाइजर संयंत्र लगाएंगे। श्री मोदी ने कहा कि भारत और जापान की अर्थव्यवस्था एक दूसरे की पूरक है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों से लेकर आधुनिक प्रौद्योगिकी तक, हमारी सोच और अप्रोच में भी समानता है और सबसे बढ़कर, हमारे संबंधों की नींव अटूट आपसी विश्वास पर टिके हैं। इससे पहले जापान की प्रधानमंत्री का राष्ट्रपति भवन में रस्मी स्वागत किया गया।

संक्षिप्त खबरें

सीएम योगी शुक्रवार को उत्तर प्रदेश आम महोत्सव का करेंगे उद्घाटन

लखनऊ, यूटर्न/ 02 जुलाई । उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2026 का आयोजन 3 से 5 जुलाई तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को त्रिदिवसीय महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। महोत्सव में 7 श्रेणियों और 56 वर्गों में लगभग 800 से अधिक आम की प्रजातियों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह जानकारी उद्यान,कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई को जन भवन, लखनऊ में आम क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

केशवपुरम जोन को मिले 75 नए स्वच्छता वाहन, महापौर प्रवेश वाही ने दिखाई हरी झंडी

दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई: राजधानी में सफाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने बड़ा कदम उठाया है। गुरुवार को दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने सांसद प्रवीण खंडेलवाल के साथ रानी झांसी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में केशवपुरम जोन के लिए 75 नए स्वच्छता वाहनों और मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। महापौर ने कहा कि एमसीडी स्वच्छ और हरित दिल्ली के निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इस अवसर पर शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, केशवपुरम जोन के अध्यक्ष विकेश सेठी, उपाध्यक्ष अजय रवि हंस, पार्षद विनीत वोहरा, वीना असीजा, ज्योति अग्रवाल, जोन के उपायुक्त मोहित बंसल सहित एमसीडी के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। महापौर प्रवेश वाही ने बताया कि केशवपुरम जोन में शामिल किए गए 75 नए संसाधनों में 30 लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी), 8 हाइवा ट्रक, 4 जेसीबी मशीनें, 30 थ्री-व्हीलर और 3 जेटिंग मशीनें शामिल हैं।

बेडशीट खरीद में बीजेपी ने की 200 प्रतिशत कमीशनखोरी : सौरभ भारद्वाज

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार पर कथित दवा घोटाले को लेकर एक और बड़ा आरोप लगाया है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि सरकारी अस्पतालों के लिए बेडशीट खरीद में भारी अनियमितता और 200 प्रतिशत तक कमीशनखोरी की गई है। उन्होंने इस पूरे मामले को 650 करोड़ रुपये के कथित दवा घोटाले का हिस्सा बताते हुए इसे ह्लबेडशीट घोटालाह्व करार दिया।

सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि जिस कंपनी ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को एक बेडशीट 150 रुपये में उपलब्ध कराई, उसी कंपनी से दिल्ली सरकार ने वही बेडशीट 450 रुपये प्रति पीस की दर से खरीदी। उनके अनुसार, इस खरीद प्रक्रिया में प्रति बेडशीट करीब 300 रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया गया, जिसे उन्होंने 200 प्रतिशत कमीशनखोरी बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में कुल लगभग 15,500 बेड हैं,

लेकिन सरकार ने 75 करोड़ रुपये खर्च कर करीब 16.60 लाख बेडशीट खरीद लीं। इस हिसाब से प्रत्येक बेड के लिए औसतन 106 बेडशीट खरीदी गईं।

केजरीवाल ने मोदी पर लगाए गंभीर आरोप, निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

भगवान श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी और ट्रस्ट से जुड़े मामलों को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के साथ केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री को इस पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद उन्होंने कथित रूप से दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की और मामले को दबाने का प्रयास किया गया।

केजरीवाल ने दावा किया कि श्रीराम मंदिर ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री मोदी की देखरेख में हुआ था और ट्रस्ट के सदस्यों का चयन भी उनकी सहमति से किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे में यदि मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं, जमीन

खरीद और चढ़ावे में गड़बड़ियों के आरोप सामने आए हैं तो इसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या देश की जनता को भरोसा है कि इस मामले में वास्तविक दोषियों तक कार्रवाई पहुंचेगी। केजरीवाल ने वर्ष 2021 में सामने आए कथित जमीन खरीद मामलों का भी उल्लेख किया।

गाजियाबाद में 5 साल की मासूम को बहला-फुसलाकर ले जाने के बाद रेप, नाबालिग हिरासत में

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई**

गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में 5 वर्षीय मासूम लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने और फिर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बागपत जिले के खेकड़ा निवासी शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी बुधवार शाम करीब 7 बजे अपने मामा के यहां घूमने के लिए गांव बदरपुर गई हुई थी।इसी दौरान गांव बदरपुर निवासी 13 वर्षीय सोनू उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उससे रेप किया। पीड़िता परिजनों का आरोप है कि आरोपी उनकी बेटी को अपने साथ ले गया, जिसके बाद काफी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। कुछ समय बाद जब उनकी बेटी खून से लथपथ मिली, तो उसने परिवारवालों को आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों ने आरोपी के खिलाफ ट्रॉनिका सिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता के परिजनों के तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और बच्ची को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर बाल संरक्षण केंद्र में भेज दिया है। मामले को लेकर एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि बुधवार को थाना ट्रॉनिका सिटी को डायल-112 के माध्यम से एक शिकायत प्राप्त हुई, जहां कॉलर ने अपनी भतीजी के साथ गलत होने की सूचना दी।

अफेयर का शक, पति की पत्नी ने दुपट्टे से गला घोंटकर कर दी हत्या

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई**

जगतपुरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र कुछ घंटों में एक ब्लाइंड मर्डर का सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। 20 वर्षीय अलीशा पर अपने 19 वर्षीय पति मुस्तकीम उर्फ साहिल का गला घोंटकर हत्या करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, 2 जुलाई की सुबह करीब 3:52 बजे जगतपुरी पुलिस स्टेशन को राशिद मार्केट से एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई।

कॉल में बताया गया कि एक महिला ने अपने पति का गला घोंट दिया है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पीड़ित मुस्तकीम को बेहोशी की हालत में पाया गया और उसे डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां की शिकायत पर जगतपुरी पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया और इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार सिंह को जांच सौंपी गई।

अपराध की गंभीरता को देखते हुए, टीम ने तुरंत बारीकी से जांच शुरू की। गवाहों के बयान दर्ज किए गए, अपराध स्थल की वैज्ञानिक तरीके से जांच की गई और सभी उपलब्ध सबूतों का विश्लेषण किया गया।

लगातार पूछताछ के दौरान मृतक की पत्नी अलीशा ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि उसके पति को शक था कि वह किसी अन्य व्यक्ति के साथ अफेयर में है। पति ने रात में उसका मोबाइल चेक किया, जिसको लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। बहस के दौरान पति ने मारपीट की, जिससे गुस्से में अलीशा ने अपने दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया।

घटना के कुछ देर बाद मृतक की मां कमरे में पहुंची, जिसके बाद अलीशा मौके से भाग निकली और गिरफ्तारी से बचने के लिए एक गुरुद्वारे में छिप गई। पुलिस ने उसे गुरुद्वारे से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया दुपट्टा जब्त कर लिया है।

शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई, घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच और लगातार पूछताछ के कारण कुछ ही घंटों में इस हत्या का खुलासा हो गया। सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने और अतिरिक्त सबूत इकट्ठा करने के लिए आगे की जांच जारी है।

विशाल बताकर कानपुर की दो युवतियों से शादी करने वाला आगरा का इरशाद गिरफ्तार

» **सुनील बाजपेई/ कानपुर, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

प्रदेश के इस अति संवेदनशील महानगर में लव जिहाद का खेल लगातार जारी है ,जिसमें दो और लड़कियां जाल में फंस गईं, जिन्हें बाद में पता चला कि उन्हें फंसा कर विवाह करने वाला विशाल नहीं बल्कि इरशाद है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया है।जिसके बाद मामले की गहन छानबीन भी लगातार जारी है। इस घटना का संबंध पनकी थाना क्षेत्र से है ,जहां एक मुस्लिम युवक ने अपने को विशाल बताकर दो लड़कियों को प्रेम जाल में फंसा उनसे शादी भी कर ली। जानकारी होने पर बजरंग दल वालों ने विरोध करते हुए पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस ने एक फ्लैट पर छापा मारकर इरशाद नाम के मुस्लिम युवक को गिरफ्तार किया है, पुलिस ने बताया कि इरशाद ने खुद को विशाल बताकर हरदोई की अनुक्रति पांडे से धोखे से शादी की थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी इरशाद ने पीड़िता और उसके बच्चे को कमरे में बंधक बना रखा था और जबरन मीट खाने व धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था ।इसी दौरान उसने एक और हिंदू लड़की से शादी की और उसे बहन बताकर दूसरे कमरे में रखा था। पीड़िता द्वारा गुप्त रूप से बजरंग दल से मदद मांगने के बाद पुलिस के सहयोग से यह रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से आगरा का रहने वाला इरशाद ऑनलाइन जूते का कारोबार करने का दावा करता है । फिलहाल इस गिरफ्तार करने के बाद पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

किसान संयुक्त मोर्चा ने नहरी खाल मुरम्मत करने की मांग उठाई, सप्ताह का दिया, अल्टीमेटम

पट्टी कल्याणा कैनाल जल समिति ने एक्सिस बैंक प्रबंधक पर पैसे न देने का लगाया आरोप

» **निर्मल सिंह विर्क**

पानीपत, यूटर्न/ 02 जुलाई ।अखिल भारतीय किसान सभा और संयुक्त किसान मोर्चा के जिला प्रतिनिधिमंडल ने प्राइवेट एक्सिस बैंक शाखा , जीटी रोड पानीपत के प्रबंधक के खिलाफ पट्टीकल्याणा कैनाल जल समिति के किसानों द्वारा डीसी पानीपत को लिखित शिकायत सौंपकर बैंक प्रबंधक के खिलाफ कारवाई करने की मांग है। और अल्टीमेटम देकर समाधान करने के लिए एक सप्ताह का समय भी दिया है।

किसान प्रतिनिधि मंडल का कहना है कि अगर प्रशासन ने समाधान नहीं किया तो 10 जुलाई के बाद बैंक गेट पर संयुक्त किसान मोर्चा और अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में गांव पट्टी कल्याण के किसान करेंगे विरोध प्रदर्शन और धरना।

प्रतिनिधि मंडल में अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक, जिला सचिव राजपाल गाहल्याण, संयुक्त किसान मोर्चा जिला सहसंयोजक सुनील दत्त शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि प्राइवेट एक्सिस बैंक के अंदर हरियाणा सरकार के सिंचाई विभाग द्वारा सन 2011 में काडा स्कीम के तहत पूरे जिले के अंदर सिंचाई के लिए बनाई गई नहर के पक्के खाल बनाए गए थे। भविष्य में उनकी लगातार मुरम्मत करने के लिए किसानों की जल समिति रजिस्टर्ड कराकर किसानों से शेयर लेकर और सरकार द्वारा शेयर मिलकर संयुक्त पैसे से एफडी करवाई गई थी।

समझौते से मुकर रही सरकार, कर्मचारियों ने छेड़ा आर-पार का आंदोलन

1-2 जुलाई को प्रदेशभर में झाड़ू प्रदर्शन व फायर स्टेशनों पर गेट मीटिंग, सर्व कर्मचारी संघ ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

पानीपत, यूटर्न/ 02 जुलाई । हरियाणा सरकार द्वारा 13 मई को नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा व हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के साथ हुए समझौते को लागू न करने के खिलाफ कर्मचारी संगठनों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। सरकार की वायदाखिलाफी और कर्मचारी विरोधी रवैये से नाराज नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा 1 व 2 जुलाई को प्रदेश की सभी नगरपालिकाओं, नगर परिषदों व नगर निगमों में राज्य स्तरीय आक्रोश झाड़ू प्रदर्शन किया गया, जबकि हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन प्रदेश के मुख्य अग्निशमन केंद्रों पर गेट मीटिंग कर आंदोलन का बिगुल फूंकेगी। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने इन आंदोलनों का पुरजोर समर्थन करते हुए सरकार को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि 13 मई के समझौते में मानी गई मांगों के पत्र व परिपत्र तुरंत प्रभाव से जारी नहीं किए गए तो पूरे हरियाणा में व्यापक कर्मचारी आंदोलन खड़ा किया जाएगा। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री व महासचिव कृष्ण नैन ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार कर्मचारियों के साथ लगातार धोखा कर रही है। आंदोलन खत्म करवाने के लिए समझौते किए जाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें लागू करने से पीछे हट जाया जाता है। इससे कर्मचारियों में भारी रोष और आक्रोश है। उन्होंने कहा कि सरकार यह गलतफहमी छोड़ दे कि कर्मचारी डरकर बैठ जाएंगे।

चयनित प्रतिभाओं का भव्य अभिनंदन समारोह: कृष्ण श्योकंद

परमिंदर सिंह/ कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 02 जुलाई । अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र द्वारा भारतीय सिविल सेवा (वढरउ), राज्य सिविल सेवा एवं न्यायिक सेवाओं में वर्ष 2026 में चयनित सर्वसमाज के प्रतिभाशाली युवाओं के सम्मान में 05 जुलाई को प्रातः 10:00 बजे अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा।प्रेस को संबोधित करते हुए जाट धर्मशाला की कमेटी ने बताया कि इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से भारतीय सिविल सेवा, राज्य सिविल सेवा एवं न्यायिक सेवाओं में चयनित अधिकारी अपने माता-पिता एवं परिवारजनों सहित भाग लेंगे। कार्यक्रम में चयनित अधिकारियों का सम्मान किया जाएगा तथा उनके अथक परिश्रम, अनुशासन, संघर्ष, समर्पण और सफलता की प्रेरणादायी यात्रा को समाज के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।इस अवसर पर दीनबंधु सर छोटूराम पुस्तकालय का उद्घाटन भी किया जाएगा, जो विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण ज्ञान केंद्र सिद्ध होगा।समारोह में आईजी हरियाणा पुलिस पंकज नैन, चित्रलेखा शर्मा (डायरेक्टर, गृह मंत्रालय), उपायुक्त कुरुक्षेत्र, पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र, एसडीएम कुरुक्षेत्र, बीरेंद्र सहारण तथा डॉ. सतबीर कादयान (चीफ इरिगेशन) सहित अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

पाकिस्तान में श्री गुरू सिंह सभा गुरुद्वारे को तोड़े जाने पर आप की चुप्पी सिख विरोधी मानसिकता का सबूत: मल्होत्रा

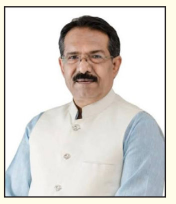

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई । दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पाकिस्तान में फरूखाबाद में श्री गुरू सिंह सभा गुरुद्वारे को तोड़े जाने की कड़ी निंदा करते हुए इस मामले पर आम आदमी पार्टी के नेताओं की चुप्पी को सिख विरोधी मानसिकता बताया है। श्री मल्होत्रा ने गुरुवार कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार लगातार सिखों और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को सुरक्षा देने के लिए काम कर रही है। वहीं पाकिस्तान की सरकार ने अल्पसंख्यकों को अतिवादियों के भरोसे छोड़े दिया है और उसी के साथ पाकिस्तान लगातार आतंकवाद की शरणस्थली बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में श्री सिंह सभा गुरुद्वारे को तोड़े जाने के एक सप्ताह बाद भी पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार की उस पर चुप्पी देशवासियों को स्तब्ध करती है और निंदनीय है।

पंचकूला पुलिस ने पिछले 24 घंटों में घर से लापता हुए 3 नाबालिग बच्चों और 2 युवतियों को सुरक्षित खोजकर परिजनों से मिलाया

हरियाणा, यूटर्न/ 02 जुलाई । पंचकूला पुलिस ने एक बार फिर त्वरित कार्रवाई, संवेदनशील पुलिसिंग और प्रभावी टीमवर्क का परिचय देते हुए पिछले 24 घंटों के दौरान सामने आए तीन अलग-अलग मामलों में घर से लापता हुए 3 नाबालिग बच्चों और 2 युवतियों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों से मिलवा दिया। पुलिस की समयबद्ध कार्रवाई और लगातार की गई तलाश के चलते सभी को सुरक्षित खोज लिया गया, जिससे उनके परिवारों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार व्यक्त किया।

पहला मामला पिंजौर क्षेत्र का है, जहां पढ़ाई को लेकर परिजनों की डांट से आहत होकर तीन नाबालिग दोस्त देर रात करीब एक बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गए थे। घटना की सूचना मिलते ही पिंजौर थाना प्रभारी राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाश अभियान शुरू किया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने तीनों बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

वहीं अन्य दो मामले रामगढ़ क्षेत्र से संबंधित हैं। दोनों मामलों में रामगढ़ चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर मुकेश सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों युवतियों को सुरक्षित बरामद कर उनके परिवारों से मिलवा दिया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

मतदाता सूची का शुद्ध एवं पारदर्शी पुनरीक्षण लोकतंत्र की मजबूती का आधार : डॉ. कमल गुप्ता

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 02 जुलाई । भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं नागरिक उडयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने क्षेत्र से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर अनेक मामलों के समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि लोगों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो।

जनसुनवाई कार्यक्रम के उपरांत डॉ. कमल गुप्ता ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) अभियान पर कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को अपने गणना प्रपत्र सावधानीपूर्वक भरकर संबंधित बीएलओ को समय पर सौंप देने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत

निर्वाचन आयोग का उद्देश्य प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज होने से रोकना है। यह अभियान लोकतंत्र की पारदर्शिता और निष्पक्षता को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर डॉ. कमल गुप्ता ने हाल ही में संपन्न अपनी ग्रीस यात्रा के अनुभव भी उपस्थित जनों के साथ साझा किए। उन्होंने वहां की ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व की प्राचीन सभ्यताओं से सीख लेकर भारत भी निरंतर विकास और सांस्कृतिक गौरव के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर सुरेश गोयल धूप वाला,रामचन्द्र गुप्ता, सतीश सुरलिया, कृष्ण बिश्नोई, विनोद तोशावाड़, उम्मेद खन्ना, कप्तान नरेंद्र शर्मा, अनुज जैन, धर्मवीर सिंह पानू, प्रोमिला पुनिया, दीनदयाल, गोरखपुरिया, सुदेश चौधरी, जय भगवान, प्रवीण नारंग, सुनील कुमार, ललिता रानी, सुभाष जांगड़ा, सतीश महत्ता सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्लोबल ऑगेर्नाइजेशन इवेंट्स ट्रस्ट ने सुरभि सिंह यादव को पुणे जिला अध्यक्ष नियुक्त किया

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 02 जुलाई ।ग्लोबल ऑगेर्नाइजेशन इवेंट्स ट्रस्ट के उत्तरी क्षेत्र डॉक्टर सेल की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. वसुंधरा मेहरोत्रा ने सुरभि सिंह यादव को महाराष्ट्र के पुणे जिले का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। सुरभि सिंह यादव पेशे से डायटीशियन हैं तथा उन्होंने अपने विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। नियुक्ति के अवसर पर डॉ. वसुंधरा मेहरोत्रा ने उन पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वे संस्थान के हित में समर्पित भाव से कार्य करेंगी, संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएंगी तथा एक सशक्त टीम का गठन कर जनहित के कार्यों को गति देंगी। ग्लोबल ऑगेर्नाइजेशन इवेंट्स ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट मधुसूदन बवेजा ने सुरभि सिंह यादव को पुणे जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में पुणे में संगठन सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा तथा जनसेवा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि ग्लोबल ऑगेर्नाइजेशन इवेंट्स ट्रस्ट एक गैर-सरकारी संस्था (एनजीओ) है, जो पिछले लगभग 13 वर्षों से विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। संस्था समय-समय पर जरूरतमंद लोगों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा के प्रसार तथा जनकल्याण से जुड़े अनेक सेवा कार्यों का संचालन करती है। संस्था का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा और सहयोग पहुंचाना है।

जनसेवा नहीं , कॉलोनियां काटने और व्यापार में व्यस्त मंत्री : राजेश संदलाना

विकास के दावे नहीं, बरवाला की बदहाल व्यवस्था सच बयां कर रही है : राजेश संदलाना

» हरियाणा, यूटर्न/ 02 जुलाई ।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य राजेश संदलाना ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन बरवाला की जमीनी हकीकत उन दावों की पोल खोल रही है। मानसून की शुरूआत होते ही शहर के अनेक हिस्सों में सीवर जाम हैं, सड़कों पर गंदा पानी भरा हुआ है और आम जनता को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि बरवाला के विधायक एवं हरियाणा सरकार के मंत्री रणबीर गंगवा के पास लोक निर्माण विभाग और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभाग हैं। दुर्भाग्य की बात है कि जिन विभागों की जिम्मेदारी स्वयं मंत्री के पास है, उन्हीं विभागों से जुड़े कार्य बरवाला में बदहाल स्थिति में हैं। यह भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट उदाहरण है।

राजेश संदलाना ने कहा कि बरसात के मौसम से पहले सीवरों की सफाई और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था होनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने कोई ठोस तैयारी नहीं की। आज भी कई स्थानों पर अस्थायी उपायों के सहारे काम चलाया जा रहा है, जबकि बरवाला की जनता स्थायी समाधान की मांग कर रही है।

साथ ही राजेश संदलाना ने कहा कि बरवाला की जनता की समस्याओं का समाधान करना छोड़कर मंत्री रणबीर गंगवा का पूरा ध्यान कॉलोनियां काटने और निजी व्यापारिक गतिविधियों पर दिखाई देता है। एक जनप्रतिनिधि का पहला दायित्व जनता की सेवा, क्षेत्र का विकास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना होता है, लेकिन बरवाला में सीवर जाम, जलभराव और बदहाल व्यवस्थाएं सरकार की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। यदि मंत्री अपने निजी हितों से समय निकालकर जनता की समस्याओं पर ध्यान दें, तो बरवाला की तस्वीर बदल सकती है, लेकिन वर्तमान में भाजपा सरकार और उसके मंत्री जनहित के बजाय केवल दिखावटी विकास की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री रणबीर गंगवा हवाई दावों और प्रचार से बाहर निकलकर धरातल पर आएं, शहर का दौरा करें, जनता की पीड़ा देखें और अधिकारियों की जवाबदेही तय करें। यदि मंत्री अपने ही विधानसभा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं करा सकते, तो भाजपा सरकार के विकास के दावे खोखले साबित होते हैं। राजेश संदलाना ने कहा कि कांग्रेस बरवाला की जनता की आवाज बनकर इन मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी। यदि जल्द ही सीवर, जलभराव और जनस्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन छेड़ेगी..

चैक अनदारण / चैक बाउंस के निपटान को लेकर लोक अदालत का आयोजन, 18 जुलाई को

पानीपत, यूटर्न/ 02 जुलाई । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पानीपत की अध्यक्षा माननीय श्रीमती वाणी गोपाल शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्षा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पानीपत के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में दिनांक 18 जुलाई, 2026 (शनिवार) को जिला न्यायालय, प्रकरण पानीपत एवं समालखा में धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 (चेक अनादरण/चेक बाउंस प्रकरण) से संबंधित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत का उद्देश्य चेक बाउंस से संबंधित लंबित मामलों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में शीघ्र, सरल एवं प्रभावी निस्तारण करना है, जिससे पक्षकारों का समय एवं धन दोनों की बचत हो सके तथा अनावश्यक न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पानीपत द्वारा समस्त आमजन एवं संबंधित पक्षकारों से अपील की जाती है कि यदि उनका कोई मामला धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के अंतर्गत लंबित है तथा वे आपसी समझौते के माध्यम से अपने विवाद का समाधान करना चाहते हैं...

बाडो पट्टी में 16 करोड़ की आईटीआई का शिलान्यास करेंगे रणबीर गंगवा

» हरियाणा, यूटर्न/ 02 जुलाई ।

हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा 4 एवं 5 जुलाई को हिसार जिले के विभिन्न कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इस दौरान वे जनहित से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ-साथ आम नागरिकों की समस्याएं भी सुनेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 जुलाई को कैबिनेट मंत्री सुबह 10 बजे बरवाला के वार्ड नंबर-11 में संत शिरोमणि कबीर साहेब जी की 629 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सत्संग एवं विशाल भंडारा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम के उपरांत वे स्थानीय नागरिकों की जनसमस्याएं भी सुनेंगे।

इसी प्रकार 5 जुलाई को कैबिनेट मंत्री सुबह 11:00 बजे गांव बाडोपट्टी पहुंचेंगे। यहां वे 6 एकड़ भूमि पर बनने वाले राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। गांव के सरपंच पवन कुमार शास्त्री ने बताया कि इस भवन के निर्माण पर 16 करोड़ रुपए से अधिक की लागत आएगी।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने शुक्रवार को अपने हिसार स्थित निवास पर भी क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं, शिकायतें एवं विकास संबंधी मांगें विस्तार से सुनीं। उन्होंने प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सभी मामलों का शीघ्र, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने तेजपाल सिंह सहरावत के निवास पर पहुंचकर दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

» अश्विनी वालिया

सोनीपत, यूटर्न/ 02 जुलाई । भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री राम दास आठवले ने समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता तेजपाल सिंह सहरावत के निवास पर पहुंचकर उनके छोटे पुत्र अतुल सहरावत के जन्मदिन समारोह में भाग लिया। मंत्री जी ने केक काटकर अतुल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और दीघार्यु की कामना की।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकारों ने केंद्रीय मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

अपने संबोधन में मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि 'तेजपाल सिंह सहरावत हमारे छोटे भाई के समान हैं। उनके विशेष आग्रह पर आज मैं उनके निवास पर आया हूं। मुझे यहां आकर अत्यंत प्रसन्नता हुई।'

उन्होंने हरियाणा सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीबों, दलितों, किसानों और महिलाओं के कल्याण के लिए प्रभावी कार्य कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जनता के हित में निरंतर बेहतर कार्य कर रहे हैं।

मंत्री अठावले ने पत्रकारों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि 'बारिश हो या तेज धूप, पत्रकार पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपना दायित्व निभाते हैं। समाज तक सच्चाई पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मैं सभी पत्रकारों तथा मेरा सम्मान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का हृदय से धन्यवाद करता हूं।' कार्यक्रम में तेजपाल सिंह सहरावत ने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके घर पधारकर मंत्री जी ने पूरे परिवार का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वह पिछले लगभग 35 वर्षों से समाज सेवा और सक्रिय राजनीति से जुड़े हुए हैं तथा ब्लॉक स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। सहरावत ने कहा कि उनका उद्देश्य गरीब, दलित, महिलाओं और जरूरतमंद परिवारों के अधिकारों की आवाज उठाना है। उनका मानना है कि प्रत्येक गरीब परिवार को रोजगार, सरकारी नौकरी, पक्का मकान और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक परिवार को रोजगार और आवास की सुरक्षा मिले तो गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं में काफी कमी लाई जा सकती है।

देर आए दुरुस्त आए? आप का 1,000 वाला वादा आखिरकार पूरा हुआ

संदीप शर्मा

पंजाब में बड़े-बड़े कल्याणकारी वादों के दम पर सत्ता में आने के चार साल बाद, आम आदमी पार्टी (आप) ने आखिरकार अपना सबसे यादगार चुनावी वादा महिलाओं के लिए आर्थिक मदद पूरा करना शुरू कर दिया है। मावां धीयां सत्कार योजना के तहत हर महीने 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को एक हजार रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। यह उस वादे का ही पूरा होना है, जिसने पार्टी के 2022 के चुनाव अभियान को आकार देने में मदद की थी। हजारों महिलाओं के लिए, इस पैसे का महत्व इसके आस-पास की राजनीति से कहीं ज्यादा होगा। थोड़ी ही सही, लेकिन पक्की मासिक आय से घर के खर्चों में आसानी हो सकती है, आर्थिक आजादी बढ़ सकती है और सम्मान का एहसास हो सकता है। महंगाई, बेरोजगारी और खेती-किसानी की मुश्किलों से जूझ रहे राज्य में, हर अतिरिक्त रुपया मायने रखता है। फिर भी, राजनीति में इरादे और समय को शायद ही कभी अलग-अलग देखा जाता है।

बहुत से वोटर एक सीधा सा सवाल पूछेंगेः अभी क्यों?

यह वादा आप द्वारा 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले किए गए शुरूआती और सबसे जोरदार वादों में से एक था। इसके बाद दी गई कई तरह की दलीलें, जैसे कि खराब आर्थिक स्थिति या खर्च की दूसरी जरूरी प्राथमिकताएं भले ही सही रही हों, लेकिन इनसे जनता की यह सोच नहीं बदली कि पार्टी का एक अहम वादा अधूरा पड़ा है। सरकारों को सिर्फ.इस आधार पर नहीं आंका जाता कि वे आखिर में क्या देती हैं, बल्कि इस आधार पर भी कि वे उसे कब देती हैं।

पंजाब में अगले चुनावी दौर से कुछ ही महीने पहले इस योजना को शुरू करने से राजनीतिक टाइमिंग को लेकर सवाल उठना लाज़िमी है। विपक्ष ने इसे पहले ही चुनावी तोहफा करार दिया है। दूसरी ओर, सरकार का तर्क है कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए सावधानीपूर्वक वित्तीय योजना की जरूरत होती है और उसने जल्दबाजी में लागू करने के बजाय योजना को लंबे समय तक चलाने (सस्टेनेबिलिटी) को प्राथमिकता दी। बड़ा राजनीतिक सवाल यह है कि क्या देर से मिली मदद से भरोसा फिर से कायम हो पाएगा। वोटर अक्सर वादों को तो लंबे समय तक याद रखते हैं, लेकिन देरी के मामले में उनका सब्र जल्दी जवाब दे जाता है। हालांकि फायदा पाने वाली महिलाएं शायद इस मदद का स्वागत करेंगी, लेकिन कई लोगों के मन में यह सवाल भी हो सकता है कि उन्हें उस चीज के लिए सरकार के कार्यकाल का ज्यादातर समय क्यों इंतजार करना पड़ा, जिसका वादा शुरू से ही किया गया था। एक और बारीक बदलाव भी है। चुनाव अभियान के दौरान किए गए मूल वादे को आम तौर पर हर वयस्क महिला के लिए 1,000 प्रति माह के तौर पर समझा गया था। अब जो योजना शुरू की गई है, उसमें पात्रता की शर्तें और कुछ लोगों को बाहर रखने के नियम भी शामिल हैं। इससे यह योजना आर्थिक रूप से तो संभालने लायक बन गई है, लेकिन राजनीतिक रूप से उस वादे से अलग हो गई है जो चुनाव अभियान के दौरान लोगों के बीच लोकप्रिय हुआ था। क्या इससे आप को चुनावी फायदा होगा? लगभग निश्चित रूप से, कुछ हद तक तो होगा ही। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) से सरकार और लाभार्थियों के बीच सीधा और ठोस संबंध बनता है। यह कितना निर्णायक साबित होता है, यह अलग बात है। आखिरकार, 'मावां धियां सत्कार योजना' एक पूरा किए गए वादे और देरी की कीमत की याद दिलाने वाली पहल, दोनों ही है। पंजाब की महिलाएं इसे सरकार द्वारा अपनी बात रखने के तौर पर देखती हैं या फिर चुनाव के समय याद किए गए वादे के तौर पर, इसी बात से तय होगा कि आप को आखिरकार इससे कितना राजनीतिक फायदा मिलता है।

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं-आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

विभागों की मलाई पर तकरार भ्रष्टाचार पर कैसे होगा वार?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी काली कमाई भ्रष्टाचारियों द्वारा बेहद सस्पेंस वाली जगह पर छुपा कर रखा जाता है,जो अर्थव्यवस्था के सरकुलेशन में काम नहीं आती। मसलन 2000 के नोटों की लंबी राशि चलन में नहीं आ रही थी यानी मतलब साफ है भ्रष्टाचार्यों के पास लॉक हो गई थी,नतीजा नोटों की नोटबंदी ही पर्याय था। परंतु बहुत ताजुब की बात है एक ओर जहां सरकार भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस करने कमर कसकर भिड़ी हुई है दूसरी ओर हमेशा देखा जाता है की राजनीति में सहयोगी पार्टी या पार्टी के अंदर ही पार्टी के कद्दावर नेताओं में मंत्रालय के विभागों की मलाई पर तकरार होती है, यानें सरकारी टेंडर में परसेंटेज के मामले होते हैं,इसीलिए ही 40 या 50 पेर्सेंट के आरोप प्रत्यारोप राजनीति में सभी बातें एक दूसरे के ऊपर लगाते रहते हैं अक्सर चुनाव जीते हुए व्यक्तियों से लेकर मंत्री व चपरासी से लेकर उच्च पदासीन अधिकारी इसमें शामिल होते हैं तो फिर भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति का क्या अर्थ हुआ? जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसका सटीक उदाहरण महाराष्ट्र के एक नेता पर गृहमंत्री होने के बावजूद 100 करोड़ प्रतिमाह का आरोप लगा था वो जेल भी गए थे। ऐसे अनेक आरोप राजनीतिज्ञों मंत्रियों पर लगते रहते हैं जो रेखा रेखांकित करने वाली बात है, जिससे क्लियर होता है कि भ्रष्टाचार ऊपर से लेकर नीचे की ओर चलता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेविभागों की मलाई पर तकरार, भ्रष्टाचार पर कैसे होगा पलटवार! तथा भ्रष्ट प्लस अचार एट द रेट ऑफ भ्रष्टाचार, लोक निर्माण सरकारी टेंडर गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है?

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अर्थ को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों की संधि से बना है - भ्रष्ट +आचार, जिनके निम्न अर्थ हैं- भ्रष्ट=दूषित, गंदा, अनैतिक गलत, आपराधिक, आचार=आचरण, व्यवहार,कार्यकलाप कार्य,तो सीधे शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार का तात्पर्य उस कार्य से है जो गलत हो, अनैतिक हो, आपराधिक हो या दूषित हो।हमारे राजनेताओं की कृपा से आजकल यह शब्द मुख्यतया राजनैतिक संदर्भ में प्रयोग होता है लेकिन सामान्यतया हर वह आचरण भ्रष्टाचार है जो कि किसी गलत उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनैतिक ढंग से और दुर्भावना से किया जाए।केवल सरकारी कार्यों में घोटाले करना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि अपने आदर्शों से समझौता करना और निजी लाभ के लिए किसी अन्य को पीड़ा पहुंचाना भी भ्रष्टाचार है।दूधवाले का दूध में पानी मिलाना भी भ्रष्टाचार है और शिक्षक का कक्षा में ना पढ़ाना भी भ्रष्टाचार है। अधिकारी का काम ना करना भी भ्रष्टाचार है और काम के बदले रिश्वत मांगना भी भ्रष्टाचार है। टैक्स चोरी करना भी भ्रष्टाचार है और यातायात के नियमों को ना मानना भी भ्रष्टाचार है।सीमित शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं में घोटाले करना ही नहीं है बल्कि निजी स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार से आर्थिक दुष्प्रभाव की करें तो,भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है. मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है, इस फॉमूर्ले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं,परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है।भारत और चीन की विकास दर अधिक है।भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ यदि इस रकम को शेयर बाजार में लगाया गया तो भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव कुछ घटता है,दक्षिणी अमेरिकी देशों एवं भारत में यह अंतर साफ है।दक्षिण अमेरिका के नेताओं ने घूस की रकम को स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा करा दिया। नतीजा विकास में गिरावट आयी,परंतु भारतीय नेताओं ने स्विस बैंकों में जमा कराने के साथ- साथ घरेलू उद्यमियों के पास भी रकम जमा करायी। यदि घूस की रकम का निवेश किया जाये, तो अनैतिक भ्रष्टाचार का आर्थिक सुप्रभाव भी पड़ सकता है।मान लीजिए सरकारी निवेश में औसतन 70 फीसदी रकम का सदुपयोग होता है, जबकि निजी निवेश में 90 फीसदी का, ऐसे में यदि एक करोड़ रुपये को भ्रष्टाचार के माध्यम से निकाल कर निजी कंपनियों में लगा दिया जाये, तो 20 लाख रुपये का निवेश बढ़ेगा।अर्थशास्त्र में एक विधा 'बचत की प्रवृत्ति' के नाम से जानी जाती है। अपनी अतिरिक्त आय में से व्यक्ति कितनी बचत करता है उसे 'बचत की प्रवृत्ति' कहा जाता है।

वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है। वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्त्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है।

भारत-जापान साझेदारी में निवेश की अहम भूमिका : पीयूष गोयल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई ।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि निवेश भारत-जापान की साझेदारी का अहम हिस्सा है और इससे दोनों देशों के संबंध मजबूत हुए हैं।

'द इंडो-जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग' में एनडीटीवी के एडिटर-इन-चीफ राहुल कंवल के साथ बातचीत में गोयल ने कहा कि जापान-भारत की साझेदारी अधिकतर निवेश पर केंद्रित है। गोयल ने कहा, 'मारुति सुजुकी लगभग 40 साल पहले भारत आई और आधुनिक, किफायती एवं टेक्नोलॉजी पर आधारित गाड़ियां लेकर आई, जिसने आखिरकार भारत को ऑटो सेक्टर में ग्लोबल पावर बनने की राह पर डाल दिया।'

उन्होंने कहा, 'मई में भारत में बेची गई 4 लाख पैसेंजर गाड़ियों में से 1.47 लाख गाड़ियां मारुति सुजुकी की थीं।'

खास सेक्टर में जापान की भूमिका के बारे में विस्तार से बताते हुए गोयल ने कहा कि भारत का पहला डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ओडिशा में जापान की साझेदारी से बनाया गया था, जिससे आयरन ओर (लौह अयस्क) को बाहर भेजने में मदद मिली।

व्यापारिक संबंधों को कई पहलुओं वाला बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत जापान से टेक्नोलॉजी पर आधारित उत्पाद आयात करता है, जबकि वैल्यू-एडेड सामान निर्यात करता है।

उन्होंने कहा, 'हम कच्चा माल या इंटरमीडिएट नहीं बेच रहे हैं। हम जापान को उच्च गुणवत्ता वाला, सटीक इंजीनियरिंग वाला मटीरियल, ऑटो पार्ट्स और इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स बेच रहे हैं। इसलिए, इस रिश्ते में व्यापार और निवेश, दोनों पहलू शामिल हैं।'

भारत-जापान साझेदारी के अगले चरण के बारे में मंत्री ने कहा कि भारत जापान के साथ अपनी व्यापारिक साझेदारी को महत्व देता है और इसे अगले स्तर पर ले जाने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, 'हम जापान के साथ अधिक व्यापार और निवेश को बढ़ावा देते हैं।' भारत-जापान के प्रमुख प्रोजेक्ट्स में से एक 508 किलोमीटर लंबा मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर है। जापानी शिंकानसेन तकनीक का इस्तेमाल करके ट्रेनें 320 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेंगी, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय छह घंटे से अधिक से घटकर दो घंटे से थोड़ा अधिक हो जाएगा। प्रोजेक्ट में देरी पर बात करते हुए, गोयल ने महाराष्ट्र की पिछली एमवीए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने उद्धव ठाकरे सरकार पर 'राजनीति के लिए' जमीन अधिग्रहण में देरी करने का आरोप लगाया।

केंद्र ने कोयला क्षेत्र में व्यापार में आसानी को बढ़ाने के लिए बीमा शुरिटी बॉन्ड के उपयोग को दी मंजूरी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई ।

केंद्र सरकार ने कोयला क्षेत्र में व्यापार में आसानी को बढ़ाने के लिए आवंटित कोयला ब्लॉकों के लिए निष्पादन बैंक गारंटी (पीबीजी) के स्थान पर बीमा शुरिटी बॉन्ड (आईएसबी) के उपयोग की अनुमति दे दी है। यह जानकारी कोयला मंत्रालय की ओर से गुरुवार को दी गई।

मंत्रालय ने बयान में कहा, 'सरकार ने कोयला ब्लॉक आवंटियों को अधिक वित्तीय लचीलापन प्रदान करने और कोयला क्षेत्र में व्यापार करने की सुगमता को और मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सुधार किया है और कोयला ब्लॉक आवंटन (संशोधन) नियम, 2026 के जरिये मंत्रालय ने खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत आवंटित कोयला ब्लॉकों के लिए निष्पादन बैंक गारंटी (पीबीजी) के स्थान पर बीमा शुरिटी बांड (आईएसबी) के उपयोग की अनुमति प्रदान की है।'

संशोधित व्यवस्था के अंतर्गत कोयला ब्लॉक आवंटियों को अपनी निष्पादन सुरक्षा संबंधी बाध्यता पूरी करने के लिए पीबीजी या आईएसबी इनमें में से किसी एक का विकल्प चुनने की सुविधा दी गई है। यह सुविधा वर्तमान आवंटियों पर भी लागू होगी, जिससे वे निर्धारित शर्तों के अनुसार पहले से जमा कराई गई निष्पादन बैंक गारंटी को बीमा शुरिटी बांड से प्रतिस्थापित कर सकेंगे।

मंत्रालय ने आगे कहा कि इस कदम से पारंपरिक बैंक गारंटी व्यवस्था से जुड़े वित्तीय बोझ में कमी आने की उम्मीद है और कोयला ब्लॉक आवंटी अपने पूंजागत संसाधनों का उपयोग खदान विकास और परिचालन गतिविधियों में अधिक दक्षता से कर सकेंगे।

साथ ही, इससे वित्तीय साधनों तक उनकी पहुंच बेहतर होगी, जबकि उपयुक्त निष्पादन सुरक्षा तंत्र के माध्यम से सरकार के हित भी पूर्णतः सुरक्षित रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

केंद्र ने बढ़ाई ग्रामीण न्यूनतम मजदूरी, अब 327.4 प्रतिदिन

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई । केंद्र सरकार ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत ग्रामीण न्यूनतम मजदूरी दरों में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की घोषणा की है। देर रात जारी अधिसूचना के अनुसार, ये नई दरें 1 जुलाई से प्रभावी हो गई है। अब राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रभावी न्यूनतम मजदूरी दर लगभग 10 प्रतिशत या 28.6 रुपये बढ़कर 327.4 रुपये प्रतिदिन हो गई है, जो इसके पहले मनरेगा के तहत 298.8 रुपये प्रतिदिन थी। इस बढ़ोतरी के साथ यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 रुपये से कम न हो। सरकार का दावा है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में मजदूरी दरों में 15 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जबकि केरल, हरियाणा, पंजाब और कर्नाटक में यह 360 रुपये से बढ़कर 409 रुपये तक पहुंच गई है। केंद्र ने कहा कि यह कदम लाखों ग्रामीण श्रमिकों की आजीविका को मजबूत करेगा और ऐतिहासिक रूप से कम मजदूरी वाले राज्यों को विशेष लाभ मिलेगा। पश्चिम बंगाल भी अब इस अधिनियम के दायरे में आ गया है, जो पिछले दो साल से मनरेगा से बाहर था। हालांकि, विपक्षी कांग्रेस ने नई मजदूरी दरों को अपर्याप्त बताते हुए न्यूनतम 400 रुपये प्रतिदिन की मांग की है। पार्टी ने डॉ. अनूप सत्पथी समिति (2019) की सिफारिशों और तब से हुई महंगाई के समायोजन के आधार पर श्रमिकों के लिए एक न्यायसंगत मजदूरी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

नीति आयोग की पहलः खनन कचरे से निकलेंगे महत्वपूर्ण खनिज

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई । नीति आयोग कोयला खदानों के ओवरबर्डन, टेलिंग्स और अन्य खनन कचरे से महत्वपूर्ण खनिजों की रिकवरी को सुगम बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इसकी जानकारी हाल ही में नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नई दिल्ली में दी। उन्होंने बताया कि इस क्षमता के आकलन के लिए एक तकनीकी समिति गठित की गई है। यह समिति रॉयल्टी, राज्य मुआवजा और निवेश प्रोत्साहनों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की जांच कर रही है। इसने कोल इंडिया, सिंगरेनी कोलियरीज, जिंदल स्टील व अडाणी समूह सहित कई कंपनियों से विचार-विमर्श किया है। समिति उन खनिजों पर रॉयल्टी ढांचे पर भी विचार कर रही है जहां कोयले पर पहले ही रॉयल्टी दी जा चुकी है, ताकि राज्य मुआवजा पाएं और ऑपरेटरों को निवेश प्रोत्साहन मिले।

चीन की अलीबाबा ई-कॉमर्स कंपनी ड्रग्स से जुड़ी जांच के निपटारे के लिए अमेरिका को 60 करोड़ डॉलर देगी

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 02 जुलाई

चीन की बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा ग्रुप और अमेरिका में मौजूद उसकी पेमेंट प्रोसेसर कंपनी एयूएस मर्चेंट सर्विसेज, अमेरिकी न्याय विभाग के साथ अलग-अलग 'नॉन-प्रॉसिक्यूशन एग्रीमेंट' (मुकदमा न चलाने के समझौते) के तहत 600 मिलियन डॉलर का भुगतान करने पर सहमत हो गई हैं। यह समझौता उन आरोपों को सुलझाने के लिए किया गया है, जिनमें कहा गया था कि वे अलीबाबा के ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए अमेरिका में गैर-कानूनी दवाओं और उनसे जुड़े उत्पादों की बिक्री और आयात को रोकने में नाकाम रहे।

इस समझौते में अलीबाबा द्वारा 125 मिलियन डॉलर का आपराधिक जुर्माना और 190 मिलियन डॉलर की जब्ती शामिल है, जबकि एयूएस मर्चेंट सर्विसेज 85 मिलियन डॉलर का आपराधिक जुर्माना भरेगी और 190 मिलियन डॉलर जब्त कराएगी। कुल मिलाकर, ये भुगतान 600 मिलियन डॉलर के हैं। न्याय विभाग के अनुसार, अलीबाबा ने माना कि जनवरी 2016 और दिसंबर 2024 के बीच, वह अलीबाबा डॉटकॉम और अलीएक्सप्रेस का इस्तेमाल करने वाले व्यापारियों को अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन करके अमेरिका में दवाएं, लिस्टेड केमिकल और नकली दवाएं बनाने वाले उपकरण आयात करने से रोकने में नाकाम रही।

विभाग ने कहा कि उन लेन-देन का कुल सकल व्यापार मूल्य 200 मिलियन डॉलर से अधिक था। जांच के दौरान, संघीय एजेंटों ने ऐसी दवाओं और नकली सामान बनाने वाले उपकरणों की 40 से ज्यादा गुप्त खरीदारी की, जिनका संयुक्त राज्य अमेरिका में आयात करना गैर-कानूनी था। हालांकि अलीबाबा के पास ऐसे उत्पादों पर रोक लगाने वाली नीतियां थीं, लेकिन विभाग ने कहा कि कंपनी के कर्मचारियों ने चिंता जताई थी कि नियमों का पालन सुनिश्चित करने वाले कंट्रोल अपर्याप्त थे। कुछ व्यापारियों ने गैर-कानूनी लेन-देन को आसान बनाने के लिए अलीबाबा की इंटरनल मैसेजिंग सर्विस का भी इस्तेमाल किया और कुछ मामलों में खरीदारों को एन्क्रिप्टेड थर्ड-पार्टी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर भेज दिया।

अशोक लीलैंड ने उतारे देश के पहले एयर सस्पेंशन ट्रक

वाणिज्यिक वाहन उद्योग में नया मील का पत्थर

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई ।

हिंदुजा समूह की प्रमुख भारतीय कंपनी अशोक लीलैंड ने भारतीय ट्रक उद्योग में एक बड़ी पहल करते हुए देश के पहले एयर सस्पेंशन ट्रकों के मॉडल लॉन्च करने की घोषणा की है। ये अत्याधुनिक ट्रक बेहतर उत्पादकता, ड्राइवर आराम और ग्राहकों के लिए अधिक मूल्य प्रदान करने के उद्देश्य से डिजाइन किए गए हैं। कंपनी ने तीन आधुनिक एवीटीआर मॉडल पेश किए हैंः एवीटीआर 4925 10गुणित 2 एमएवी (देश का पहला 49 टन एयर सस्पेंशन ट्रक, 1.5 टन पे-लोड लाभ), एवीटीआर 4625 10 गुणित 2 एमएवी (4 टन पे-लोड लाभ वाला 46 टन ट्रक) और एवीटीआर 4525 ८ गुणित 2 एमएवी (4 टन पे-लोड लाभ वाला 45 टन ट्रक)। ये मॉडल उत्कृष्ट प्रदर्शन, बेहतर माल ढुलाई और बढ़ी हुई परिचालन क्षमता का वादा करते हैं, जिससे ग्राहकों की कमाई में वृद्धि होगी और कुल स्वामित्व लागत (टीसीओ कम होगी। अशोक लीलैंड के एक अधिकारी ने कहा कि हमेशा से प्रौद्योगिकी में आगे रहने वाले अशोक लीलैंड ने ट्रकों में नई एयर सस्पेंशन तकनीक पेश करके ग्राहकों के लिए सार्थक मूल्य सृजित करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। यह लॉन्च वाणिज्यिक वाहन खंड में कंपनी की अभिनव समाधान लाने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सरकार ने रोका व्हाट्सऐप यूजरनेम फीचर का लॉन्च

नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई । साइबर धोखाधड़ी और दुरुपयोग की बढ़ती चिंताओं के बीच, भारत सरकार ने मेटा से व्हाट्सऐप के नए यूजरनेम फीचर को परामर्श पूरा होने तक पेश न करने को कहा है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा को तीन दिनों के भीतर इस फीचर पर विस्तृत स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार आईटी मंत्रालय, गृह मंत्रालय और अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्मों के बीच गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक निर्धारित है। गृह मंत्रालय ने पहले ही इस फीचर को लेकर साइबर धोखाधड़ी की आशंका जताई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, इस फीचर के संभावित धोखाधड़ी वाले उपयोग और वास्तविक उपयोगकताओं के लिए यूजरनेम अनुपलब्ध होने की घटनाओं की गहन जांच की जाएगी। इस बीच, मेटा ने आईटी मंत्रालय से नोटिस मिलने की पुष्टि की है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यूजरनेम फीचर अभी लॉन्च नहीं हुआ है और इस साल के अंत में धीरे-धीरे शुरू होगा। मेटा ने दावा किया है कि उसने सार्वजनिक हस्तियों और सत्यापित खातों के लिए यूजरनेम आरक्षित रखे हैं तथा दुरुपयोग को रोकने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा उपाय और स्वचालित प्रणालियां लागू की हैं। इनमें नए संपर्क सीमित करना और यूजरनेम बदलने की संख्या पर प्रतिबंध शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि जब यह फीचर लाइव होगा, तो उपयोगकताओं को पहली बार संदेश भेजने वाले व्यक्ति की जानकारी दिखाई जाएगी ताकि वे तय कर सकें कि प्रतिक्रिया देनी है या नहीं।

2030 तक ईवी से एक लाख करोड़ की आयात बचतः एसबीआई रिसर्च

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 02 जुलाई ।

पश्चिम एशिया संकट के चलते भारतीयों का इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ रुझान बढ़ा है और 2030 तक ईवी की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंचने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

मौजूदा समय में भारतीय बाजार में ईवी की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है।

अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू होने के बाद भारत में ईवी के पंजीकरण में जोरदार तेजी देखने को मिली। मार्च-जून की अवधि में देश में औसत 2.3 लाख ईवी प्रति माह पंजीकृत हुए हैं, यह आंकड़ा 2025 में औसत 1.3 लाख प्रति माह था।

रिपोर्ट में कहा गया, 'मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, हमें लगता है कि 2026 में कुल ईवी पंजीकरण 25 लाख का आंकड़ा पार कर सकते हैं।' कुल पंजीकरण में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2024 में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2026 में अब तक बढ़कर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कुछ राज्यों में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 29,151 चार्जिंग स्टेशन हैं। कुल चार्जिंग स्टेशनों में से 35 प्रतिशत सिर्फ दो राज्यों (कर्नाटक और महाराष्ट्र) में हैं। नई ईवी पॉलिसी के तहत, दिल्ली सरकार अगले चार सालों में 32,000 चार्जिंग पॉइंट का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ईवी की सफलता काफी हद तक चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।' भारत में 2025 तक 2.86 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थीं और यह आंकड़ा 2030 तक 4 करोड़ गाड़ियों तक पहुंचने का अनुमान है। इन गाड़ियों में से 20 प्रतिशत ईवी होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी की तारीफ की गई, जिससे तहत पहले तीन सालों में दो-पहिया गाड़ियों के लिए खरीद पर इंसेंटिव (कुल मिलाकर 60,000 रुपए) दिया जाएगा।

आत्महत्या से पहले विवाहिता ने वीडियो बनाया, ससुराल पक्ष पर लगाए उत्पीड़न के आरोप

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

मधुबन बापूधाम क्षेत्र में एक महिला ने खुदकुशी कर ली। मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि ससुरालियों के उत्पीड़न और लगातार दबाव के चलते उसकी बहन मानसिक रूप से परेशान थी। आरोप है कि उसके मोबाइल फोन में घटना से पहले बनाया गया एक वीडियो भी मिला है, जिसमें उसने ससुराल पक्ष को अपनी परेशानी के लिए जिम्मेदार बताया है। कार्यवाहक एसीपी कविनगर जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि मधुबन

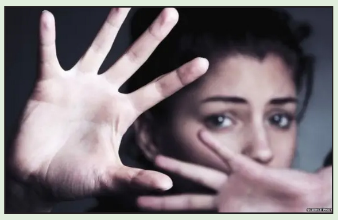

बापूधाम निवासी रवि सैनी की शिकायत पर उनकी बहन नेहा सैनी की सास मिथलेस, ससुर बलवीर, ननद सिमरन, देवर सौरभ सिंह, पति जय सिंह, ताई विमला, पति के दोस्त इरफान, चाचा रमेश उर्फ मुन्ना और बुआ शोभा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायत के अनुसार, नेहा का अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ पहले से एक मामला चल रहा था। वह 29 अप्रैल से मायके में रह रही थी। आरोप है कि ससुराल पक्ष उस पर मामला वापस लेने का दबाव बना रहा था और उसे लगातार परेशान कर रहा था। साथ ही उसे और उसकी बेटी को नुकसान पहुंचाने की धमकियां दी जा रही थीं।

रवि सैनी का आरोप है कि कुछ समय पहले उनकी बहन को बातचीत के बहाने बुलाया गया, जहां कई लोगों ने मिलकर उस पर मामला वापस लेने का दबाव बनाया और डराने-धमकाने का प्रयास किया। इसके बाद वह मानसिक रूप से और अधिक परेशान रहने लगी व 28 जून को फांसी लगाकर जान दे दी।

रवि सैनी का कहना है कि घटना से पहले मृतका ने एक वीडियो बनाया था, जिसमें उसने अपनी परेशानी और ससुराल पक्ष से जुड़े आरोपों का उल्लेख किया है। कार्यवाहक एसीपी ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व दरोगा ने बेटे की मौत के बाद बहू पर दर्ज कराई प्राथमिकी

साहिबाबाद, यूटर्न/ 02 जुलाई । शालीमार गार्डन एक्सटेंशन दो स्थित अंबिका पैलेस निवासी सेवानिवृत दरोगा प्रमोद कुमार ने अपनी पुत्रवधू मीना यादव, उनकी मां सुमन व कुछ अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

आरोप है कि शादी के बाद अलग होकर बहू ने पहले उनके बेटे व परिवार के खिलाफ कोर्ट में वाद दायर किया। इसके बाद करीब आठ लाख रुपये में समझौता करने के बाद भी धमकियां देकर बेटे को मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया। प्रताड़ना से तंग आकर 18 मई 2026 को बेटे विशाल ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने एक जुलाई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में पूर्व दरोगा ने बताया कि वह वर्ष 2022 में दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत्त हुए थे। वर्ष 2018 में उन्होंने बेटे विशाल की शादी मीना यादव से कराई थी। बताया कि बहू दिल्ली स्थित एक अस्पताल में असिस्टेंट लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थी। शादी के दो वर्ष बाद ही वह बिना बताए ही वह अपने मायके चली गई। इसके बाद उसने विशाल समेत पूरे परिवार पर कोर्ट में वाद दायर करा दिया। आरोप है कि कोर्ट की तारीख पर जब भी बेटा पहुंचा हर बार मीना यादव और उनके दोस्तों ने बेटे को धमकियां देना शुरू कर दिया।

गैंगस्टर और उसका साथी मुठभेड़ में गिरफ्तार

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 02 जुलाई । थाना पुलिस ने बुधवार देर रात मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कानपुर देहात के जगदीशपुर स्थित खुड़ाहा निवासी सौरभ और इटावा के भरथना क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी निवासी अमन यादव के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने 15 जून को इंदिरापुरम क्षेत्र में एक महिला से चेन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि इंदिरापुरम पुलिस कनावनी पुलिया के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सेक्टर-5 और सेक्टर-6 की ओर से बाइक पर आ रहे दो युवकों को रुकने का इशारा किया गया। आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, सौरभ के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित लूट और चेन स्नैचिंग के 16, आर्म्स एक्ट के आठ व चोरी का एक मुकदमा दर्ज है। वहीं, अमन यादव के खिलाफ लूट और चेन स्नैचिंग के दो, आर्म्स एक्ट का एक व चोरी के दो मुकदमे दर्ज हैं।

पल्स पोलियो अभियान का लक्ष्य पूरा, 3.56 लाख बच्चों को पिलाई गई दवा

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 02 जुलाई**

जिले में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान सफलतापूर्वक पूरा हो गया। स्वास्थ्य विभाग ने पांच वर्ष तक के 3.56 लाख बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लिया। बूथ दिवस के बाद दो दिन तक घर-घर चलाए गए अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने उन बच्चों तक पहुंचकर खुराक पिलाई, जो पहले दिन किसी कारणवश छूट गए थे।

अभियान के लिए जिले में 2,030 घर-घर सर्वेक्षण टीमों का गठन किया गया था, जिनमें 5,200 से अधिक स्वास्थ्य कर्मी, आशा वर्कर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल रहे। टीमों ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इसके अलावा ईंट भट्ठों, निर्माण स्थलों, प्रवासी बस्तियों और घुमंतू आबादी वाले क्षेत्रों में भी विशेष अभियान चलाया गया, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें भी पोलियो की खुराक दी गई। विभाग का कहना है कि पोलियो मुक्त भारत की स्थिति बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक दवा पहुंचाना जरूरी है। अभियान के सफल संचालन में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय प्रशासन का भी सहयोग रहा।

जिले में पल्स पोलियो अभियान का निर्धारित लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को भी पोलियो की खुराक पिलाई। हमारा प्रयास है कि कोई भी बच्चा पोलियो रोधी दवा से वंचित न रहे।

डॉ. संगीता शर्मा, जिला टीकाकरण अधिकारी

मोबाइल टावरों से उपकरण चोरी करने में नगर निगम के सफाईकर्मी समेत तीन गिरफ्तार

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

पुलिस की स्वॉट ने दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में मोबाइल फोन टावरों से महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में गाजियाबाद नगर निगम का सफाईकर्मी भी शामिल है। आरोपियों के कब्जे से 20 रिमोट रेडियो यूनिट (आरआरयू), सात बेस बैंड यूनिट (बीबीयू) और एक बीएमडब्ल्यू कार बरामद की गई है। बरामद उपकरणों की कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजकरन नैय्यर के अनुसार, चोरी के आरोप में अदनान उर्फ अज्जू (23) निवासी मोहल्ला कोटला कस्बा मीरापुर जनपद मुजफ्फरनगर हाल निवासी सेक्टर-31 फरीदाबाद हरियाणा, आमिर (26) निवासी ग्राम कसेरवा थाना शाहपुर जनपद मुजफ्फरनगर हाल निवासी 60 फुटा रोड पसोंडा टीला मोड़ और सौरभ (20) निवासी ग्राम टीला शाहबाजपुर लोनी बॉर्डर पकड़े गए हैं। आमिर 10वीं पास है और वर्ष 2023 में जमीन के विवाद में हत्या के मामले में जेल जा चुका है। अदनान उर्फ अज्जू ने 12वीं तक पढ़ाई की है, वह फरीदाबाद में स्क्रैप की दुकान पर काम करता था। सौरभ गाजियाबाद नगर निगम में सफाईकर्मी है। आमिर व अदनान के संपर्क में आने के बाद वह मोबाइल फोन टावर से उपकरण चोरी करने लगा। आमिर के खिलाफ मुजफ्फरनगर के शाहजहांपुर और सिहानी गेट गाजियाबाद में दो मामले दर्ज हैं। सौरभ व अदनान का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। तीनों की चल-अचल संपत्ति की जांच भी की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मोबाइल फोन टावरों से आरआरयू और बीबीयू

चोरी कर उन्हें मेरठ निवासी सोनू, शहनवाज, अनस, जावेद आदि को सस्ते दामों में बेच देते थे। पुलिस इनकी तलाश में जुटी है। ये चारों इन उपकरणों को थाईलैंड और हांगकांग में पांच से दस लाख रुपये प्रति यूनिट तक बेचते थे। आमिर की अनस से भोजपुर जेल में मुलाकात हुई थी, तब वह हत्या के आरोप में बंद था।

कई राज्यों में कर चुके वारदात

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें एक यूनिट चोरी करने के बदले 20 से 30 हजार रुपये मिलते थे। गिरोह के सदस्य पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और गाजियाबाद समेत कई स्थानों पर वारदात कर चुके हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि चोरी के उपकरण विदेशी बाजारों तक किस माध्यम से पहुंचाए जा रहे थे।

यह होते हैं बीबीयू और आरआरयू

बीबीयू मोबाइल फोन टावर का मुख्य डिजिटल सिस्टम होता है, जो डेटा और वॉयस कॉल को नेटवर्क सिग्नल में बदलने का काम करता है।

ई-कॉमर्स कंपनी के गोदाम पर सो रहे ट्रक चालक की करंट लगने से मौत

» **साहिबाबाद, यूटर्न/ 02 जुलाई**

थानाक्षेत्र के मोहन नगर में संचालित ई-कॉमर्स कंपनी के ग्रोसरी गोदाम के बाहर सो रहे ट्रक चालक मैनपुरी निवासी अखंड प्रताप (22) की करंट लगने से मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोग उसे अस्पताल ले गए लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसा 30 जून की देर रात हुआ। एक जुलाई को पुलिस के काफी समझाने पर परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने गोदाम संचालक और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

पुलिस के अनुसार अखंड प्रताप गोदाम पर ग्रोसरी सामान पहुंचाने का काम करते थे। 30 जून को वह बल्लभगढ़ से ग्रोसरी का सामान लेकर साहिबाबाद पहुंचे थे।

यहां गोदाम के पास चैनल के बाहर लगी लोहे की बेंच पर सो रहे थे। देर रात अचानक करंट लगने से वह झुलस गए। मौके पर मौजूद कर्मचारियों व उनके साथी ने देखा तो तुरंत बिजली सप्लाई बंद कराई और अस्पताल लेकर गए।

यहां डॉक्टरों ने अखंड प्रताप को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा दिया लेकिन परिजन बुधवार तक पोस्टमार्टम न कराने की बात पर अड़े रहे।

इस दौरान मोर्चरी पर लोगों ने शोर-शराबा भी किया। काफी देर तक पुलिस ने परिजनों को समझाया तब जाकर वह माने और पोस्टमार्टम के बाद दोपहर बाद शव परिवार वालों को सौंप दिया गया। प्रभारी एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि परिजनों की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्ट होगा।

पारा लुढ़कने पर 150 एमवीए घटी बिजली की मांग, फिर भी ट्रिपिंग से राहत नहीं

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 02 जुलाई**

बूंदाबांदी और मौसम में बदलाव के बाद जिले में दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है इससे बिजली की मांग में भी करीब 150 एमवीए की कमी आई है। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों का मानना है कि रात का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचने से बिजली की खपत में कमी आई है, जिससे मांग घटी है। हालांकि, इसके बावजूद लोगों को ट्रिपिंग और बिजली की आवाजाही से राहत नहीं मिल सकी।

मंगलवार को जिले में बिजली की अधिकतम मांग 1850 एमवीए दर्ज की गई थी, जो बुधवार को घटकर 1700 एमवीए रह गई। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार आने वाले दिनों में यदि उमस बढ़ती है तो बिजली की मांग में दोबारा बढ़ोतरी हो सकती है।

बिजली की मांग घटने के बावजूद शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कटौती तथा फॉल्ट की समस्या बनी रही। पटेलनगर सेकंड के लोगों का आरोप है कि दिन में

करीब तीन घंटे तक बिजली बाधित रही। मुरादनगर के असालतपुर बिजलीघर से जुड़े क्षेत्रों में सुबह तीन बार करीब आधे-आधे घंटे के लिए बिजली आपूर्ति बाधित हुई।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुराना गांव निवासी महावीर यादव ने बताया कि बूंदाबांदी शुरू होते ही बिजली चली गई और दोपहर करीब दो बजे आपूर्ति बहाल हुई। ऊर्जा निगम के अनुसार, बुधवार को शहर और देहात क्षेत्र से कुल 103 फॉल्ट की शिकायतें दर्ज की गईं।

विभाग का कहना है कि बारिश के बाद बढ़ी नमी के कारण जंपर उड़ने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे आपूर्ति प्रभावित हुई। मुख्य अभियंता नरेश भारती ने बताया कि जहां-जहां से शिकायतें प्राप्त हुईं, वहां समय रहते टीम भेजकर समस्या का समाधान कराया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित नहीं रही।

सुरक्षा के मद्देनजर बिजली लाइनें भूमिगत करने की मांग

वार्ड-95 की पार्षद रुखसाना सैफी ने दूधेश्वरनाथ मंदिर से गौशाला फाटक तक 11 हजार केवी क्षमता की बिजली लाइन को भूमिगत कराने की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में जिलाधिकारी और मुख्य अभियंता को पत्र भेजा है। पार्षद का कहना है कि कांवड़ यात्रा शुरू होने वाली है। इस दौरान जिले के अलावा आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचते हैं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

बहन निशा को बचपन में कैसे परेशान करती थीं काजल अग्रवाल

फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल, जिन्हें उनकी दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है और उन्होंने साउथ और कुछ हिंदी फिल्मों में भी शानदार काम किया है। उन्होंने बताया कि कैसे वह बचपन में अपनी बहन निशा अग्रवाल को चिढ़ाया करती थीं।

'सिंघम' एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर बताया कि वह निशा को परेशान करने के लिए कहती थीं कि उन्होंने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है, और अगर वह ठीक से पेश नहीं आएगी तो वे उसे वापस कर देंगे। काजल ने लिखा कि जब हम छोटे थे तो मैं अपनी बहन को यह कहकर परेशान करती थी कि हमने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है और अगर वह बदमाशी करेगी तो उसे क्रेडिट नोट के साथ वापस कर देंगे। काजल का यह पोस्ट एक यूजर द्वारा निशा से पूछे गए मजेदार सवाल के जवाब में आया है। सवाल-जवाब के एक सेशन के दौरान, एक इंस्टाग्राम यूजर ने निशा से पूछा, 'आप काजल अग्रवाल जैसी क्यों दिखती हैं?' इस पर उन्होंने मजेदार जवाब देते हुए कहा कि भाई-बहन अक्सर ऐसे ही होते हैं। एक ही माता-पिता, एक जैसे जीन, थोड़ी-बहुत समानता तो होती ही है। इसी बीच, फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल के आने वाले प्रोजेक्ट की बात करे तो अभिनेत्री 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन' में श्रेयस तलपड़े के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि यह फिल्म आज के समय में कई माता-पिता के डर और चिंताओं को दिखाती है। काजल ने कहा कि द इंडिया स्टोरी एक ऐसी फिल्म है, जिसमें समाज के लिए एक मजबूत सामाजिक संदेश है। एक मां के तौर पर, यह कहानी मुझे बहुत निजी स्तर पर छू गई, क्योंकि यह उन डरों और चिंताओं को दिखाती है जो आज कई माता-पिता के मन में होते हैं। जी स्टूडियोज द्वारा एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से पेश की जा रही 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन' को सागर बी. शिंदे ने लिखा है। इस कोर्टरूम ड्रामा के इस साल 24 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। यह हिंदी, तेलुगु और तमिल सहित कई भाषाओं में उपलब्ध होगी।

> **काजल ने लिखा कि जब हम छोटे थे तो मैं अपनी बहन को यह कहकर परेशान करती थी कि हमने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है और अगर वह बदमाशी करेगी तो उसे क्रेडिट नोट के साथ वापस कर देंगे।**

आज भी कुछ नहीं बदला है अक्षय कुमार में: रवीना टंडन

हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म वेलकम टू द जंगल में अभिनेता अक्षय और रवीना टंडन को दोबारा साथ देखकर फैंस बेहद उत्साहित हैं, लेकिन इस रीयूनियन से खुद रवीना टंडन भी बेहद खुश और गदगद हैं। पूरे 22 सालों के लंबे इंतजार के बाद, बॉलीवुड की आइकॉनिक जोड़ी अक्षय कुमार और रवीना टंडन ने आखिरकार बड़े पर्दे पर एक साथ वापसी की है। रवीना ने अक्षय कुमार के साथ इतने सालों बाद दोबारा स्क्रीन शेयर करने का अपना अनुभव साझा किया और खिलाड़ी कुमार की जमकर तारीफों के पुल बांधे। रवीना टंडन ने अपने पूर्व सह-कलाकार अक्षय कुमार की खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि वक्त भले ही बदल गया हो और इतने साल गुजर गए हों, लेकिन अक्षय का अपने काम के प्रति नजरिया आज भी वैसा ही है, जैसा पहले था। रवीना ने बताया, इतने सालों बाद अक्षय के साथ दोबारा काम करना एक बेहद खूबसूरत अहसास रहा। सच कहूं तो उनमें आज भी कुछ नहीं बदला है।

फोटो स्टोरी

लंदन में विंबलडनल टेनिस चैम्पियनशिप में अमेरिका की कोको गाफ दूसरे दौर में जीत के बाद जश्न मनाती हुई।

वैभव को आयरलैंड के खिलाफ अवसर नहीं देना एक बड़ी गलती रही : शास्त्री

मुम्बई, यूटर्न/ 02 जुलाई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं उतारकर भारतीय टीम प्रबंधन ने गलती की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड के हालात वैभव के अनुकूल थे, इसके अलावा उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभवी भी मिल जाता। उसे पूरे दौरे में बेंच पर बैठाए रखने का फैसला सही नहीं था। शास्त्री ने कहा, अरे, उसे आयरलैंड में खेलना चाहिए था। वहां की पिच धीमी थी और मैदान भी छोटा था। वह गेंद को सीधे हवा में खेल देता। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उसे अवसर मिलेगा या नहीं ये कहा नहीं जा सकता पर मेरा मानना है कि उसे अवसर दिया जाना चाहिये था। शास्त्री ने वैभव के आईपीएल प्रदर्शन की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने हर गेंदबाज के खिलाफ आसानी से खेला था। इसके बाद भी उसे बेंच पर बैठाया हुआ है। शास्त्री ने वैभव को भारतीय टीम का एक्स फैक्टर करार देते हुए कहा उनकी सबसे बड़ी ताकत उनके निडर अंदाज को बताया। उन्होंने कहा, उसके पास युवा जोश है, कोई दबाव नहीं है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। वह शुरुआती कुछ ओवरों में ही मैच का रुख बदल सकता है और मिडिल ऑर्डर के लिए मजबूत मंच तैयार कर सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में भी उन्हें अवसर नहीं मिला अब देखना है कि उन्हें 4 जुलाई को होने वाले दूसरे टी20 में अवसर मिलता है या नहीं।

हैवान में अक्षय कुमार खतरनाक नकारात्मक भूमिका में

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म हैवान में सुपरस्टार अक्षय कुमार और सैफ अली खान सालों बाद एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। फिल्म में सैफ अली खान ने फिल्म में अक्षय कुमार के किरदार को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सैफ ने बताया है कि इस बार अक्षय एक बिल्कुल ही अलग और बेहद खतरनाक नकारात्मक भूमिका में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं, जो उनके पहले के किरदारों से काफी भिन्न होगा। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी को दर्शकों ने हमेशा सराहा है। इससे पहले वे 1994 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी में साथ नजर आए थे, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था। इसके बाद, साल 2008 में दोनों ने टशन में भी काम किया। अब, इतने लंबे अंतराल के बाद हैवान में उनकी वापसी फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। सैफ अली खान ने हाल ही में एक साक्षात्कार में अपने और अक्षय के दोबारा साथ काम करने पर खुशी जाहिर की।

अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

डरहम, यूटर्न/ 02 जुलाई । इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण यहां रद्द हुए पहले टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 59 रन की आतिशी पारी के दौरान एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की। अभिषेक इस मैच में दो छक्के लगाते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

अभिषेक ने यह रिकार्ड केवल 785 गेंदों पर ही बना दिया। उन्होंने इस दौरान वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज एविन लुईस के रिकॉर्ड को तोड़ा। लुइस ने 789 गेंदों में अपने 100 छक्के लगाये थे। अभिषेक टी20 में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर आ गये हैं। दूसरे नंबर पर एविन लुईस (789 गेंद), फिन एलन (871 गेंद) के साथ ही तीसरे, टिम डेविड (931 गेंद) चौथे और कॉलिन मुनरो (963 गेंद) के साथ ही पांचवे नंबर रहे हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के सबसे तेजी से 100 टी20 छक्के लगाने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया।

सूर्यकुमार ने 1007 गेंदों का सामना किया था। अभिषेक ने यह कारनामा सूर्यकुमार से 222 गेंद पहले ही कर दिखाया। अब वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले भारत के केवल पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में रोहित शर्मा (205 छक्के), सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पांड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) शामिल हैं, जिनके साथ अभिषेक ने 100 छक्के पूरे कर अपना नाम दर्ज कराया है। अभिषेक नाम अब 1450 से ज्यादा रन हैं और उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर है, जो 1000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे अधिक है। मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 189 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। हालांकि, इंग्लैंड की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई और उसके नहीं रुकने पर मैच रद्द घोषित कर दिया गया।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

भारत ने पाया लेबार एयरबेस पर अपना घातक पी-8आई विमान किया तैनात

सिंगापुर के साथ किया रक्षा सौदा, अब चीन के मलक्का जलडमरूमध्य पर होगी नजर

» **सिंगापुर, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

मॉरीशस, म्यांमार और थाईलैंड जैसे हिंद महासागर के बड़े प्लेयर्स के साथ भारत की डिफेंस डील तो पहले ही हो चुकी है। अब भारत के पाले में चीन का सबसे बड़ा पार्टनर सिंगापुर भी आ गया है। हाल ही में भारतीय नौसेना ने सिंगापुर के साथ एक बड़ा रक्षा सौदा किया है। इसके तहत भारत ने पाया लेबार एयरबेस पर अपना घातक पी-8आई विमान तैनात कर दिया है। भारत के इस मास्टर-स्ट्रोक से चीन की सबसे बड़ी कमजोरी यानी मलक्का जलडमरूमध्य का समुद्री रास्ता अब पूरी तरह भारत की पैनी नजर में आ गया है, जहां से चीन की करीब 80फीसदी लाइफलाइन और सप्लाई गुजरती है।

भारतीय नौसेना और सिंगापुर की नौसेना ने समुद्री निगरानी विमान के संचालन से जुड़े विषयों पर सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट एक्सचेंज (एसएमई) कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ये कार्यक्रम भारतीय नौसेना के पी-8आई विमान के सिंगापुर के पाया लेबार एयरबेस दौरे के दौरान आयोजित किया गया। इस इवेंट के बाद सिंगापुर में भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर लिखा- भारत और सिंगापुर के बीच रक्षा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। भारतीय नौसेना और सिंगापुर की नौसेना के विशेषज्ञों ने पी-8 आई विमान के पाया लेबार एयरबेस पहुंचने के दौरान समुद्री निगरानी विमान के संचालन पर एसएमईई कार्यक्रम में भाग लिया। पिछले हफ्ते सिंगापुर के भारत में उच्चायुक्त साइमन वोंग ने भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि से मुलाकात की थी। दोनों ने भारत और सिंगापुर की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास, आपसी आदान-प्रदान और पहले से चल रहे संवाद जैसे रक्षा सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात में साइमन वोंग ने जनरल सुब्रमणि को सीडीएस बनने पर बधाई भी दी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा- मंगलवार को भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एन एस राजा सुब्रमणि से मुलाकात हुई। उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। हमने दोनों देशों की सेनाओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग, बड़े सैन्य अभ्यासों, आदान-प्रदान और नियमित बैठकों पर बात की। पिछले महीने सिंगापुर में भारत-सिंगापुर रक्षा नीति वार्ता का 16वां दौर आयोजित हुआ। इसमें भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और सिंगापुर के रक्षा मंत्रालय के स्थायी सचिव जोसेफ लिओंग ने संयुक्त रूप से बैठक की अध्यक्षता की।

संक्षिप्त खबरें

आग से सुरक्षा को लेकर दुनिया का नंबर-1 शहर है टोक्यो

टोक्यो, यूटर्न/ 02 जुलाई । आग लगने की घटनाओं पर तेज प्रतिक्रिया, आधुनिक तकनीक, मजबूत दमकल व्यवस्था और सुनियोजित शहरी ढांचे के कारण टोक्यो को दुनिया के सबसे सुरक्षित शहरों में गिना जाता है। जापान की इस सफलता के पीछे सदियों के दर्दनाक अनुभव और विनाशकारी आपदाओं से मिली सीख छिपी है। जापान में साल 1923 में आए भीषण भूकंप और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुई बमबारी में आग ने टोक्यो को भारी नुकसान पहुंचाया था। इस घटना ने जापान को पुख्ता सुरक्षा उपाय अपनाने को विवश कर दिया। उस समय जापान में अधिकांश मकान लकड़ी के बने होते थे, जिससे आग तेजी से फैलती थी। इन घटनाओं के बाद शहर की योजना इस तरह तैयार की गई कि आग को फैलने से रोका जा सके। इसके बाद से अग्नि सुरक्षा टोक्यो के शहरी विकास की प्रमुख प्राथमिकता बन गई। टोक्यो फायर डिपार्टमेंट को दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सक्षम अग्निशमन विभाग माना जाता है। इसके पास लगभग 18,839 कर्मचारी हैं, जो दुनिया के किसी भी अन्य दमकल विभाग से अधिक बताए जाते हैं। पूरे महानगर में 81 फायर स्टेशन संचालित हैं, जो किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं।

भारत ने प्रस्तावित अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ दर्ज कराई आपत्ति

वाशिंगटन, यूटर्न/ 02 जुलाई । भारत अगले सप्ताह अपने निर्यात पर प्रस्तावित अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ समन्वित तरीके से चुनौती दे रहा है। सरकारी अधिकारियों और प्रमुख उद्योग संगठनों का कहना है कि जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) को लेकर वॉशिंगटन के निष्कर्ष कानूनी रूप से कमजोर हैं, पर्याप्त साक्ष्यों पर आधारित नहीं हैं और इनसे दुनिया की सबसे बड़ी तथा पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो सकती हैं। यह चुनौती 8 जुलाई को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ऑफिस (यूएसटीआर) की सेक्शन 301 कमेटी के सामने पेश की जाएगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) की पूर्णिमा शेनॉय और कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की शुचिता सोनालिका पैनल 8 के दौरान गवाही देंगी। पैनल 9 में उनके बाद वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के डॉ. बृज मोहन और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के शुभम अरोड़ा होंगे। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के डायरेक्टर जनरल विनी मेहता 9 जुलाई को गवाही देंगे।

बीएलए का दावा, 10 दिनों में किए 23 हमले 16 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों ने गंवाई जान।

» **क्वेटा, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने पिछले 10 दिनों में बलूचिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में 23 अलग-अलग अभियानों में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों को निशाना बनाया। समूह के अनुसार इन हमलों में 16 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। मीडिया को जारी एक बयान में बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि 21 से 30 जून के बीच किए गए इन अभियानों में सुरक्षा बलों, बुनियादी ढांचे और उन वाहनों को निशाना बनाया गया, जो 'दमनकारी परियोजनाओं' से जुड़े थे। संगठन ने यह भी दावा किया कि उसने कुछ मार्गों को अवरुद्ध कर वाणिज्यिक वाहनों को निशाना बनाते हुए 'आर्थिक नाकेबंदी' की रणनीति अपनाई। बयान के अनुसार, 23 जून को बीएलए के लड़ाकों ने खारान जिले के सरावान, नौरोज कलात और जारोजई क्षेत्रों में दो दिनों तक नियंत्रण बनाए रखा। इस दौरान दो पुलों को उड़ाने का दावा किया गया, जबकि अलग-अलग हमलों और स्नाइपर फायरिंग में सात पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई।

समूह ने यह भी कहा कि उसने बेसिमा के पास सुरक्षा बलों पर हमला किया और तुर्बत के खैराबाद क्षेत्र में एक सैन्य चौकी को निशाना बनाते हुए निगरानी उपकरण नष्ट कर दिए। बीएलए के अनुसार, 25 जून को मस्तुंग और नुश्की में सड़कों को अवरुद्ध किया गया और सात मालवाहक वाहनों को जब्त किया गया, जबकि दस अन्य वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। समूह का दावा है कि ये वाहन उनके विरोधी परियोजनाओं से जुड़े थे।

इसके अगले दिन जेहरी के बलबल इलाके में भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें छह पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों की मौत और कई के घायल होने का दावा किया गया। इस दौरान समूह के दो सदस्य भी मारे गए।

बीएलए ने यह भी कहा कि खुजदार जिले के करख क्षेत्र में एंटी-टेररिस्ट फोर्स (एटीएफ) के वाहन पर हमला किया गया, जबकि खारान और बेसिमा में भी अलग-अलग कार्रवाई की गई।

27 जून को क्वेटा के मियां घुंडी इलाके में एक पुलिस वाहन को रिमोट-नियंत्रित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) से निशाना बनाया गया, जिसमें चार पुलिसकर्मी घायल हुए। समूह ने दल्बंदिन में तीन मालवाहक ट्रेलरों को भी निष्क्रिय करने का दावा किया।

बीएलए के अनुसार, 28 जून को मस्तुंग के कामबेला इलाके में हुई मुठभेड़ में दो पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी और उसके दो लड़ाके मारे गए। इसके अलावा केच में एक सैन्य गश्ती दल पर आईईडी हमला किया गया तथा खारान के पास एक निर्माण कंपनी के कैंप में मशीनरी और वाहन नष्ट किए गए।

30 जून को मस्तुंग और नुश्की में पांच वाहनों को आग लगाने और क्वेटा के पास जरगून गैस क्षेत्र से जुड़ी आपूर्ति ले जा रहे एक वाहन को जब्त करने का दावा भी किया गया। बीएलए ने अपने बयान में कहा कि वह बलूचिस्तान में राज्य समर्थित विकास और संसाधन निष्कर्षण परियोजनाओं का विरोध जारी रखेगा और 'बलूचिस्तान की स्वतंत्रता' तक सशस्त्र कार्रवाई जारी रखने की बात दोहराई।

अमेरिकी हेलीकॉप्टर की आपातकाल लैंडिंग होते ही 1 चालक गायब

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 02 जुलाई । अरब सागर में अमेरिकी नौसेना के एक एमएच-60R सी हॉक हेलीकॉप्टर को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है, जिसके बाद से उसके चालक दल का एक सदस्य लापता है। इस घटना ने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अभियानों पर ध्यान आकर्षित किया है, खासकर ईरान के साथ जारी तनाव के बीच। अमेरिकी नौसेना के बयान के अनुसार, 1 जुलाई को सुबह 3:30 बजे, यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश युद्धपोत पर तैनात इस हेलीकॉप्टर के पायलटों को आपातकालीन स्थिति में अरब सागर के पानी में उतरना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही, लापता सदस्य की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर खोज अभियान शुरू कर दिया गया है। हेलीकॉप्टर में कुल चार क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें से तीन को सुरक्षित बचा लिया गया है और उन्हें यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश पर वापस लाया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

फिलहाल, इस आपातकाल लैंडिंग की वजह साफ नहीं हो पाई है और नौसेना ने इसकी जांच शुरू कर दी है। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि नौसेना ने स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई संकेत नहीं है कि यह इमरजेंसी किसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी।

भीषण गर्मी से तड़प रहे फ्रांस ने कहा- अमेरिका का एसी प्रेम हमें मार रहा

गर्मी से फ्रांस में 1300 की मौत हुई, अब दोनों देश आमने-सामने

» **पेरिस, यूटर्न/ 02 जुलाई ।**

अमेरिका और यूरोप के बीच जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग को लेकर एक नई जुबानी जंग छिड़ गई है। फ्रांस इन दिनों भीषण गर्मी और जानलेवा हीटवेव की चपेट में है, जिसके कारण कुछ ही हफ्तों में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस गंभीर संकट के बीच, पेरिस की डिप्टी मेयर ऑड्रे पुलवर ने फ्रांस की इस जानलेवा गर्मी के लिए अमेरिकियों और उनके एयर कंडीशनिंग के प्रति अत्यधिक प्रेम को जिम्मेदार ठहराया है।

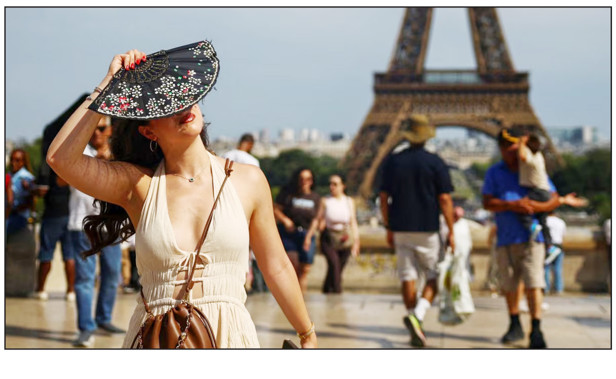

उन्होंने अमेरिका पर ग्रीनहाउस गैसों के अत्यधिक उत्सर्जन का आरोप लगाया है, जिससे जलवायु परिवर्तन की स्थिति और बिगड़ रही है।

सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। अमेरिका में कई दिनों तक फ्रांस की 43 डिग्री सेल्सियस की तपती गर्मी और वहां एसी की कमी को लेकर मजाक उड़ाया जा रहा था। इस पर पलटवार करते हुए, डिप्टी मेयर पुलवर ने कहा कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश है, जिसने दशकों तक पर्यावरण का जमकर दोहन किया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज फ्रांस जिस जानलेवा गर्मी का सामना कर रहा है, उसकी एक बड़ी जिम्मेदारी अमेरिका पर है।

पाकिस्तान ने दी धमकी कहा- सिंधु जल के लिए हो सकती है जंग

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 02 जुलाई । पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल समझौते को लेकर भारत को सीधी धमकी दी है, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और बढ़ गया है। आसिफ ने चेतावनी दी है कि यदि यह मामला शांतिपूर्ण ढंग से हल नहीं हुआ, तो ईश्वर न करे, पानी को लेकर युद्ध भी हो सकता है। उन्होंने भारत को इन हालात के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि नई दिल्ली पानी को विवाद का मुद्दा बनाने पर आमादा है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत का यह फैसला उसकी कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को जानबूझकर बर्बाद करने की कोशिश है, और यह उस 1960 के समझौते का उल्लंघन है जो दोनों परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच कई पूर्ण युद्धों के बावजूद कभी बाधित नहीं हुआ था। भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को निलंबित करने का यह फैसला अप्रैल 2025 में कश्मीर के पहलगाम में हुए एक बर्बर आतंकी हमले के बाद आया था। इस हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में घूमने आए 26 निर्दोष नागरिकों की धर्म पूछ-पूछकर हत्या कर दी थी।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *